भैरो बाबा

माँ दुर्गा

श्री कल्कि बाल वाटिका

मासिक पत्रिका

हनुमान जी

गुरुवर लक्ष्मीनारायण जी

अंक 5 कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना मई 2014

निरंतर नए नए बनते जा रहे राजा रानियों के प्रयासों से

1 श्री गौरी शंकर मंदिर में श्री कल्कि की चल* मूर्ति स्थापना श्याम पार्क एक्सटेंशन, साहिबाबाद
सुश्री गुंजन अग्रवाल-9891195056

8 सुश्री सुनीता बंसल-08529492525
रायसिंह नगर, राजस्थान
सुश्री संजू गड़ौदिया-9312539397

8 प्राचीन शिव मंदिर साड़े पाँच पुस्ता, भजनपुरा गाँवड़ी दिल्ली
श्री मनोज पाण्डेय-9212703815

13 सर्व दर्शन सेवा आश्रम, भूपत वाला रोड, ललिता आश्रम के पास, हरिद्वार
श्री राम नारायण गोयल 09899463111

20 प्राचीन माता मंदिर महिला कॉलोनी, झील गांधी नगर, दिल्ली-31
श्री राकेश अग्रवाल 9810654193
सुश्री संजू गड़ौदिया

स्वप्नमयी गंगा महारानी एवं

श्री कल्कि जी की कृपा से
नवरात्रि (अप्रैल 2014) में
8 मूर्तियों की स्थापनाएं
कैसे ?

22 वाराही मंदिर गोण्डा (यू.पी.)
अयोध्या से 55 कि.मी. दूर जहाँ से भगवान विष्णु ने वाराह अवतार में पाताल लोक तक जाकर हिरण्याक्ष का वध करके भूमि को डाढ़ा पर धर कर लाए
श्री कुशाग्र*-07379066665

26 नागेश्वर महादेव मंदिर अयोध्या (यू.पी.)
यह मंदिर प्रभु श्री राम के पुत्र कुश द्वारा वासुकि जी को धन्यवाद करने के लिए बनवाया गया था।
श्री कुशाग्र*

30 माता वैष्णवी देवी मंदिर दीवान हॉल रोड, पुरानी लाजपत राय मार्किट दिल्ली 110006
पंडित मोती लाल पराशर-9899379973

** चल मूर्ति मंदिर पूर्ण बनने पर निर्धारित जगह पर लगेगी। लेकिन विधिवत पूजा 1 अप्रैल से चालू रहेगी।*

ऐसे..... प्यारे बच्चों, भगवान श्री कल्कि के प्रचार के तो बहुत साधन हैं लेकिन जड़ का प्रचार श्री कल्कि जी की मूर्ति स्थापना है। स्वयं भगवान श्री कल्कि ने स्वप्नानुभव में कहा:-

जिस प्रकार किसी भी वी.आई.पी. नेता को किसी जगह आना होता है तो वहाँ पर पुलिस वालों (सरकारी कर्मचारियों) की एक प्रकार से छावनी सी बन जाती है। वहाँ पर कोई भी चोर-उचक्का, उठाइगिरा नजर नहीं आता। उसी प्रकार जब किसी धार्मिक स्थल की शक्ति को बढ़ाना होता है तो वहाँ पर कल्कि वालों की छावनी बन जाती है। कल्कि वाले वहाँ के तेज को बढ़ाने के लिए वहाँ धार्मिक आयोजन, यज्ञ, हवन, सत्संग, संकीर्तन, मूर्ति स्थापना करके वहाँ की शक्ति बढ़ा देते हैं। नारायण श्री कल्कि वहाँ आते हैं लेकिन उनको कोई देख नहीं पाता। नारायण श्री कल्कि वहाँ आकर शक्तियाँ स्थापित कर देते हैं और उस स्थान पर से बुराईयां दूर हो जानी शुरु हो जाती हैं।

भगवान विष्णु के मन्दिर निर्माण अथवा प्राण प्रतिष्ठा में जो भी सहयोग (तन, मन, धन से) देता है उसकी सात पीढ़ियों को कालान्तर में मोक्ष की प्राप्ति होती है —अग्नि पुराण

जब चमत्कारी श्री कल्कि पर लगाई आपत्ति वापस ली

सुश्री रचना गर्ग

—सुश्री रचना गर्ग 9990485395

जिसका आधार स्वयं श्री हरि कल्कि हैं उसे और किसी आधार की आवश्यकता नहीं। रोहिणी में मूर्ति लगने के समय कल्कि भगवान की मूर्ति के आले पर श्री कल्कि बाल वाटिका द्वारा चमत्कारी श्री कल्कि जी लिखवाने पर मैंने कड़ी आपत्ती जताते हुए कहा था कि चमत्कारी शब्द कल्कि जी की गरिमा के हिसाब से हलका है। लेकिन प्यारे बच्चों जो कृपा श्री कल्कि जी ने मेरे पर व मेरे बच्चों पर की है उसे मैं चमत्कार का विशेषण दे सकती हूँ कि सच में मेरे कल्कि जी चमत्कारी हैं।

मैं एक मध्यम वर्गीय परिवार से हूं। मेरी तीन बेटियाँ और एक बेटा है। तीनों बेटियाँ दिल्ली के अच्छे स्कूलों में अध्यापिका हैं। भगवान श्री कल्कि की कृपा से मेरी दो बेटियों की शादी दिल्ली में ही बहुत अच्छे घरों में हुई है। अपनी तीसरी बेटी की शादी के लिये मैं बहुत चिंतित थी। अभी हाल ही में मैं मेघना गोयल के साथ जनवरी 2014 को लखनऊ व नैमिषारण्य मूर्ति स्थापना में गई। वहाँ मैं अपनी बेटी की शादी के लिये प्रार्थना कर के आई थी। जिस दिन हम लखनऊ से दिल्ली वापिस आए उसी दिन मेरी बेटी के लिये दिल्ली से ही काफी अच्छे घर का एक रिश्ता आया और एक हफ्ते में ही उसका रिश्ता पक्का हो गया।

भूतनाथ आश्रम लखनऊ में श्री कल्कि

नैमिषारण्य तीर्थ जहाँ ललिता मंदिर में भगवान श्री कल्कि विराजे हैं

पितृों द्वारा रुकावट

इससे पूर्व मेरे कुछ अनुभव पित्र शक्तियों की असंतुष्टी दिखा रहे थे। कल्कि बाल वाटिका पैनल की सलाह पर मैंने स्त्री और पुरुष (पित्र पित्राणी) वस्त्रों का संकल्प यमुना महारानी जी का कर दिया और कमाल की बात यह हुई कि यह संकल्प लेते ही मुझे स्वप्न अनुभव में दैवी शक्तियों की खुशी व आगमन अपने घर में होता दिखाई दिया। पैनल सदस्यों ने मुझे कहा कि पित्र शक्तियों के अतृप्त होने के कारण दैवी शक्तियों का आगमन व कृपा जो अवरुद्ध थी अब वह आपको मिलेगी।

वास्तव में ऐसा ही मेरे साथ हो रहा है। अपने सामर्थ्य के अनुरूप शादी का खर्च करने के उपरांत भी जो वैभवशाली घर मेरी बेटी को मिला है और जो वैभवता उनके विवाह समारोह में आने वाले महमानों को भी दिखी है यह मेरे कल्कि जी का चमत्कार ही तो है।

निष्कर्ष:- जब हम अपने काम भगवान को सौंप देते हैं तो हमें यह भी पता नहीं चलता कि वह कार्य कैसे पूरे हो रहे हैं। लेकिन यह तभी संभव है जब हम दुनियादारी के कार्यों से ऊपर भगवान श्री कल्कि के कार्यों को रखें। जैसे प्रभु हमारे कार्यों को वैभवता पूर्वक पूरा करते हैं बच्चों बन पड़े तो वैसे ही हमें भी भगवान के कार्य वैभवता पूर्वक आगे बढ़कर करने चाहिएं।

संभल में श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ एवं संकीर्तन

4 मई 2014 को माँ चामुंडा मंदिर में पापमोचन तीर्थ एवं महिष्मती तीर्थ के लिए

जो भक्तजन श्री कल्कि सहस्त्रनाम के दो कुंडीय यज्ञ में बस द्वारा मात्र 250 रु में जाना चाहें वह श्री मनोज पांडे को अपनी सीट बुक करवा सकते हैं। 30 मार्च 2014 रविवार को बस वाले यात्रियों को चंद्रेश्वर आने एवं जाने में जो परेशानी हुई उसे समझते हुए मई में दो कुंडीय हवन एवं संकीर्तन एक ही स्थान पर रखने की व्यवस्था की गई है ताकि दिल्ली समय पर पहुँचे।

चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी कल्कि भक्तों का मां वैष्णो देवी जाने का कार्यक्रम 21 जून 2014 को श्री आदर्श कुमार सिंघल के तत्वाधान में है।

आदर्श सिंघल- 9818525601, पूजा गुप्त-9811858723
संजू गड़ौदिया-9312539397, मनोज पाण्डेय-9212703815
मोनू जी- 9911074012

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 3 मई 2014 एवं 7 जून 2014
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2 दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-52
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री राकेश गोयल, सुश्री सुषमा गोयल (9899698240)
संचालिका- सुश्री इंदू बंसल (011-32448401)

दिनांक : शनिवार 10 मई 2014 एवं 14 जून 2014
स्थान : जी-3 थर्ड फ्लोर,मित्रद्वीप अपार्टमेंट पटपड़गंज दिल्ली-92
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)
संचालिका- सुश्री मेघना गोयल (913677829)

सम्भल सुप्त (सोए) तीर्थ श्री कल्कि सहस्त्रनाम अभियान

सम्भल सुप्त (सोए) तीर्थ श्री कल्कि सहस्त्रनाम हवन अभियान से आप का ही नहीं आपके बच्चों का भी उद्धार होगा

श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ

मुझे स्वप्नानुभव दिनांक 5 मार्च 2014 को दिखा कि मैं मेरी सहेली गीता अपनी मौसी जो कमला नगर में रहती हैं उनके घर गए हैं। सुबह का समय है, सब सो रहे हैं। हम सबके दरवाजे खड़का कर उठा रहे हैं। रसोई की जगह कमरा है जहाँ प्रदीप भैया और प्रमोद भैया (मेरी मौसीजी के लड़के) सो रहे हैं, उन्होंने कंबल मेरे घर वाले ओढ़े हैं। मुझे देखकर हैरान हैं कि मैं इतनी सुबह कैसे आ गई। देवेन्द्र भाईसाहब (मौसी जी के सबसे बड़े लड़के) नहा कर तैयार हो गए हैं। तभी लता भाभी जी अपने कमरे से आवाज लगा कर कहती है शालू दीदी यहाँ पर आ जाओ तभी त्रिलोक भैया तौलिया लपेटे हैं बनियान पहना है नहाने जा रहे हैं। मुझे रोक कर कहते हैं शालू तुझसे काम है। अगले महीने हम सबको (तेरे साथ नहीं) तेरे संभल चलना है, मैं खुशी-खुशी कहती हूं हां हां भाई साहब बस बुक करवा लेते हैं।

तभी दूसरा दृश्य दिखता है मेरी चाची मेरे हाथ चूम कर **रोते रोते कह रही हैं कि शालू मुझे संभल चलना है मेरे बच्चों का उद्धार करवा दे।** मैं कहती हूँ चाची ये तो बड़ी अच्छी बात है क्योंकि त्रिलोक भैया भी संभल चलने के लिए कह रहे थे। मेरे लिए बड़े गौरव की बात होगी यदि मेरा परिवार संभल जाएगा। मैं बस बुक करवा लेती हूँ।

सम्भल बना भीम नगर सहस्त्रनाम यज्ञ से पुनः बना सम्भल

हमारी नहीं मानो तो उ.प्र. के सरकारी रिकार्डों में इसका साक्षात् चमत्कार देखो

अर्थः जैसा हम सबको नहीं आप सब को विदित है कि अगस्त 2012 से सम्भल सुप्त तीर्थ अभियान (जो मांसिक अनुभव के तहत) शुरु हुआ है उसने भारत-विश्व की राजनीति व दिल्ली-सम्भल भक्तों के जीवन व जीवन शैली में अनन्त परिवर्तन कर दिये। सिद्ध-शक्तिपीठों धामों-ज्यार्तिलिंगों में कल्कि जी की मूर्तियाँ लगने में तो मामाजी की चाहत को तो मानो किसी ने एक किलो के कटोरे में सवा किलो चाहतें (खुशियाँ) उढेल दी हैं।

* दिल्ली से जो पुराने के साथ नए कल्कि भक्त प्रति मास सम्भल जा रहे हैं वह शौकिया नहीं बल्कि उनके असम्भव कार्य सम्भव हो गये हैं और हो रहे हैं, सो जा रहे हैं।
* सम्भल में जो श्री कल्कि भक्त-भक्ता सहयोग दे रहे हैं इस सम्भल सुप्त (सोए हुए) तीर्थ जागरण श्री कल्कि सहस्त्रनाम अभियान में भी, उनके असम्भव कार्य सम्भव हो गए हैं और हो रहे हैं।

प्यारे बच्चों ऐसा तो होता ही है। मेघनाथ जब जागा था, तो उसने ढेरो खाद्य पदार्थों के साथ बंदरों तक को खा गया। ऐसे में जब हमारे वैष्णव-तीर्थ श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ में देवी देवताओं की आहूतियों के द्वारा जाग जाते हैं तो उससे एक नहीं अनेक श्री कल्कि भक्त हर दिशा-हर तरफ लाभांबित हो रहे हैं-होते रहेंगे। सिर्फ हमारे साथ जो सच बीत रहा है उसे संयोग न मानकर हकीकत मानकर स्वीकार करके श्री गुरुजी की तरह बताए लोक परलोक का आनन्द गूंगे के गुड़ की तरह लेते रहो। आपको तो एक बार सिर्फ मन पक्का बनाकर चलने की सोचना है बाकी काम तो श्री हनुमान जी-दुर्गा जी-कल्कि जी-गंगा जी-शंकर भगवान-पार्वती जी सम्भल के सुप्त (सोए हुए) तीर्थ जो अब जागृत हो गए हैं तुरन्त रास्ता देना शुरु कर देते हैं। एक बार अजमा कर देखें।

सच्चा सौदा तुरन्त से सफलता का मीटर चालू करने के लिये अपने रिश्तेदारों के भाग्य उदय से पहले आप व आपकी सहेली सम्भल तीर्थ जागरण का संकल्प लें कि हम प्रति मास जाएंगे। जिस मास नहीं जाएंगे अगर सेहत अच्छी है तो एक टाइम एक दिन भोजन करेंगे और एक टाइम दूध व फल लेंगे वरना जितने रुपये से भी कष्ट हो दस रुपये से 500 रुपये तक का जूर्माना (पैनेल्टी) लगाए। जिसका आधा गाय को उसी हफ्ते में हरा चारा-मटर-पालक-मेथी-बथुआ-सरसो आदि खिला देवें बाकी आधा कल्कि जी के साहित्य में लगाएं। इसका मजा भी आपको ऐसा मिलेगा जैसा कई कल्कि भक्तों को मिल रहा है। यहाँ अनुभव यह भी स्पष्ट कर रहा है कि आपके बच्चे भी आपके अनुसार चलेंगे। आप टी. वी. में देख रहे हैं वह खाएंगे होटलों में, इलाज अस्पतालों में आपकी 11 वर्ष बाद मानने वाले नहीं हैं। बन पड़े तो अपने रिश्तेदारों, अगर रिश्तेदारों का आप में ठीकठाक विश्वास है तो उन्हें बता दें वरना एक दीपक जलाकर भगवान से कह दें हे श्री कल्कि उनके भाग्य उदय व बच्चों के सुधारवाद का अनुभव उन्हें दे दें। मुझे इस अनुभव के पाप से मुक्त करें।

उपचारः गंगा महारानी दो खरबूजे या शरदा दो-दो कट मारकर। शंकर भगवान के दो अभिषेक एक वैभवता का व एक बच्चों में से आसुरी शक्तियाँ निकालिए। कल्कि जी का 20 रुपये हे कल्कि जी हमारे प्रोजेक्ट को सफलता दें। दुर्गा जी 20 रुपये हे दुर्गा मां हमें दृढ़ता से खड़े रहने की शक्ति दें।

प्रार्थना- सभी देवी देवताओं से यही प्रार्थना करनी है मुझे मेरे परिवार को स्वास्थ्य प्रदान कीजिए जिससे हम सुखी भाव से वैभवता पूर्वक राजा रानियों की तरह श्री कल्कि जी के प्राकट्य का सम्पूर्ण कार्य करें, हमें रास्ता दें। हमारी बेटियों को अच्छी सुसराल व हमें अच्छी पुत्रवधु मिले ताकि आपकी चाहत के अनुकूल हम सब आपका कार्य करें।

आपबीतियाँ

कल्कि जी मेरा बुरा होने ही नहीं देंगे

—स्नेहा गुप्ता (कोलकाता) 09831342993

स्नेहा गुप्ता

मैं स्नेहा गुप्ता एक सम्पन्न परिवार से हूँ, मैं और मेरा परिवार कोलकाता शहर में रहते हैं। बचपन से ही मैं अक्सर अपने प्रिय लड्डू गोपाल के आगे बोलती थी– हे प्रभु आपको जो अवतार हो गया वो तो हो गया, पता नहीं उस समय मैंने धरती पर आपकी लीलाओं का आनन्द लूटा या नहीं, पर अब की बार जब कलियुग में आपका कल्कि अवतार होगा तो मुझे उसमें जरूर शामिल करियेगा। तब पता नहीं था कि छोटी सी स्नेहा की बात प्रभु ने सहस्त्र कानों से सुनकर कहा तथास्तु। जब मैंने कल्कि जी की पूजा शुरु की थी तब कुछ कल्कि भक्तों ने मुझसे पूछा कि तुम यह पूजा क्यों करना चाहती हो? उनका पूछना सही था, क्योंकि अक्सर लोग किसी परेशानी में होते हैं या दूसरे भक्तों पर प्रभु श्री कल्कि जी की असीम कृपा देखते हैं तब पूजा शुरु करते हैं, पर मेरे साथ ऐसा नहीं था। यह बात कि मेरे नारायण का कल्कि अवतार लेने का समय आ गया, यही मेरे उत्साह का एक मात्र कारण था, जैसे मैं इंतजार ही कर रही थी इसका। फिर क्या था, कल्कि नाम मिला फिर मेरे जीवन में चमत्कार शुरु होने लगे। भगवान जी ने मुझे अनुभवों द्वारा रास्ता दिखाना शुरु किया। शुरु में विपरीत अनुभव देखकर डर जाती थी, पर फिर धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि इसमें डरने का कुछ नहीं है, भगवान तो समय से पहले मुझे **चेतावनी दे रहे हैं।** जिससे मैं **उपचार करूं** और बच जाऊँ। कलि के इस **खौफनाक हादसों** से।

अनुभव लीला बाकी भगवानों की पूजा से थोड़ी अलग है। जो सुनता मुझसे कहता-ये तुम किस चक्कर में पड़ रही हो? छोड़ दो ये वहम-बाजी। पर अब मैं कहाँ सुनने वाली थी क्योंकि मुझे तो मेरे प्रभु श्री कल्कि ने चुन लिया था और उनकी लीला का नशा मुझे चढ़ गया था। हर युग में यही हुआ है जब-जब नारायण ने धरती पर अवतरित होकर लीला की तब-तब सबने उसे वहम-बाजी कहा। उन्हें जिसने भी अपनाया, चाहे वह विभीषण और हनुमान जी के श्री राम हों या गोपाल के कान्हा। और जब पछता कर अपनाना चाहा तब तक भगवान अपने धाम बैकुंठ के लिये प्रस्थान कर गए। अब फिर न कहना- हमें मालूम न था कि सबको कह दिया-आगए नारायण कल्कि रूप में अनुभव लीला करने। **समय अपनी रफ़्तार से बढ़ता गया और कल्कि जी के चमत्कार और कृपा भी। कल्कि जी की कृपा से मुझे** सी. एफ. ए. इंटरनैशनल **की डिग्री मिली।** उन्होंने मुझे जीने का तरीका सिखाया जो आज नौजवान भूल गए। **कल्कि जी के कारण मुझे इस बात का अहसास है कि मेरा बुरा तो हो ही नहीं सकता क्योंकि मेरे कल्कि जी तो मेरे साथ हैं। मेरी एक आपबीती जो मुझे सबको बतानी है।**

मैं हमेशा से विदेश पढ़ने जाना चाहती थी परन्तु मेरे अनुभव कुछ इस प्रकार थे कि मेरा वहाँ जाना मुश्किल है। यू.के. जाने के एक सप्ताह पहले मुझे अनुभव आया कि शंकर भगवान मुझे मार रहे हैं और मैं गायब हो जाती हूँ। मैं घबरा जाती हूँ। अगले दिन श्री कल्कि जी ने मुझे इस अनुभव के अर्थ का आभास अनुभव से ही कराया। जैसे-मां-बाप अपने बच्चों की जिद् पर उन्हें डॉटते हैं वैसे ही भगवान मुझे मार रहे हैं, अर्थात भगवान नहीं चाहते कि मैं वहाँ जाऊँ। मैंने भगवान जी के इशारे को नज़र अंदाज करते हुए अपनी जिद् पर आंटी (सविता चौधरी) से पूछकर उपचार किया (काली मां और भैरो बाबा का) फिर मुझे अनुभव आया कि मैं अपने विश्वविद्यालय (यूनिवर्सटी ऑफ मैनचेस्टर) पहुँच गई और वहाँ मुझे शिव मंदिर दिखा। मैं बेफिक्र हो गई। यू.के. पहुँचने के दो दिन बाद मुझे अनुभव आया कि राधा-कृष्ण जी (मूर्ति) मानो बोल रहे हैं-**"मरो तुम यहीं पर मरो, जिद् कर रही हो जाओ"** मैं घबरा गई, एक तरफ मेरी लालसा इतने अच्छे विश्वविद्यालय में पढ़ने की और इतने अच्छे शहर में रहने की, तो दूसरी तरफ अनुभव से मिली हुई चेतावनी।

इंग्लैंड में स्नेह गुप्ता

मेरे पापा मुझे छोड़ने गए थे, अगले दिन उनके मन में पता नहीं क्या आया वह मुझे वापस चलने को कहने लगे और कहा-पता नहीं मुझे ऐसा लग रहा है जैसे तुम्हारे साथ कुछ बुरा हो जाएगा। मैं वापस आना तो नहीं चाहती थी, पर यकीन मानिये मुझे ऐसा लग रहा था कि कोई अलौकिक शक्ति मुझे खींच रही है। मैं वापस चली आई। अपने घर वापस आकर मैं रोती रहती थी। अंदर से टूटने के कारण मैं पूरी तरह विषाद (डिप्रेशन) की स्थिति में चली गई। रोते-रोते मेरे चेहरे के कुछ हिस्से जलने लगे। परेशान हो मैं भगवान जी से प्रार्थना करने लगी-हे प्रभु मुझे बताओ मेरे साथ ऐसा क्यो हुआ? फिर मेरे साथ चमत्कार हुआ और कल्कि भगवान ने मुझे अनुभव दिखाया कि मैं कोलकाता हवाई अड्डा रोते-रोते पहुँची और एक बंदे ने कहा देखो तुमसे कोई मिलने आया है। मैंने देखा एक छोटा सा लड़का काला चश्मा पहने हुए आया और मुझे गले लगाकर कहा रो मत मैं तुम्हारे साथ हूँ। उसके जाते ही मुझे ऐसा लगा कि वो मेरे प्रिय बाल गोपाल जी थे और मैं उनके पद चिन्हों को सर से लगाकर धन्य हुई। मैं फिर ठीक हो गई।

एक साल बाद एक पंडित ने मेरी कुण्डली देखकर कहा-पिछला एक साल तुम्हारे लिए बहुत खराब था, तुम बची तो कैसे? वह भी आश्चर्य चकित थे। उस सवाल का जवाब था कि मैं कल्कि जी की पूजा और उपचारों से बची।

फिर मैंने पूरी तरह से अपनी कुण्डली दिखाई, तो पता चला कि मेरा वो एक साल **राहू में केतू का वक्त था** जो कि इंसान को पूरी तरह से भ्रमित कर देता है। जैसे आँखों के आगे धुंध आ जाती है और वो **स्पष्ट रूप से कुछ नहीं देख पाता।** जैसे कि मृग तृष्णा दिखती है पर होती

शेष पृष्ठ 5 पर

चलता फिरता श्री कल्कि जयंती महोत्सव अब 11 मई, रविवार 2014 को

यमुना तट पर 6 अप्रैल, रविवार 2014 की तरह माँ गंगा जैसा

सहस्त्रनाम यज्ञ कुंड

श्री गुरु जी के मन की चाहत ऋषि मुनि देवी देवताओं की चलती फिरती जयंती संभल की तरह भगवान श्री कल्कि की लीला स्थली इंद्रप्रस्थ में यमुना तट पर घाट नं. 10 पर लगभग 110 भगवान के कलेजों ने 6 अप्रैल, रविवार 2014 को हिस्सा लिया था।

असंभव को संभव करने वाला संभल श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ की तरह 11 मई 2014 इन्द्रपस्थ यमुना तट पर दो कुण्डीय यज्ञ संकीर्तन, सत्संग प्रातः 5 बजे से 8 बजे तक लघु भंडारे के रूप में होगा।

सागर में नैया डगमग डोले को सहारा देने वाली यमराज की बहन यमुना महारानी के घाट न० 10 पर (गीता भवन, इंडियन गैस एजेंसी के सामने जहाँ गाड़ी खड़ी करने की विशेष सुविधा है।)

यमुना तट पर श्री कल्कि सहस्त्रनाम - सत्संग - संकीर्तन प्रभारी

श्री राकेश-सुरभि अग्रवाल	श्री अशोक-संजू गड़ोदिया	कु० अक्षय (मिन्कू) गड़ोदिया
मो० 9810654193	मो० 9810654193	मो० 9312539397

आपके द्वारा किया जाने वाला दो कुण्डीय श्री कल्कि सहस्त्रनाम-बगलामुखी यज्ञ-संकीर्तन-भण्डारे का स्वयं पूर्ण फल प्राप्ति हेतु आप चाहते हैं तो अपना सहयोग यमुना तीर्थ के लिये श्री राकेश-सुरभी अग्रवाल एवं सम्भल गंगा तीर्थ के लिये सुश्री इंदु बंसल को दे सकते हैं। संभल तीर्थ की तरह आने जाने पर समय की कोई पाबंदी नहीं है। पहली आरती हवन के बाद एवं दूसरी आरती कीर्तन के बाद होगी।

विशिष्ट जानकारी अथवा संतुष्ट न होने पर मामाजी 01123973383

चमत्कारी श्री कल्कि 14 मई 2014 को चमत्कारी बाबा बनखण्डी महादेव मंदिर कैराना,जिला शामली में विराजेंगे

जहाँ स्वतः गाय के थनों से दूध की धार बहती थी

प्यारे बच्चों, महाभारत में कर्ण के नाम पर इस गाँव का नाम कैराना पड़ा। इस मंदिर के सामने एक बहुत बड़ा देवी तालाब है। पास में ही गौशाला के बाहर बहुत खुली जगह है जहाँ गाएं खुली घूमती रहती थीं। यहाँ के लोगों ने हमें बताया कि जो गायें बच्चों (बछड़ा/बछिया) को जन्म देती थीं उनका ग्वाले जन्मे बछड़े/बछिया अपनी माँ का दूध पी लें इसलिए दूध अन्य गौओं की तरह नहीं निकालते थे। उनके पीने के बाद ही कुछ समय बाद दूध निकालते थे। तब ग्वालों ने यह पाया कि गायों के थनों में दूध ही नहीं बचता। तो यह जानने के लिए ग्वालों ने गायों का पीछा किया कि आखिर दूध जाता कहाँ है ? तो वह यह देखकर आश्चर्यचकित रह गए कि देवी मंदिर तालाब के सामने काफी दूध पड़ा हुआ पाया था और वहीं पहुंचते गाय जैसे ही खड़ी होती थीं उनके थनों से स्वतः ही दूध की धार बहने लगती थी।

भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना

दिनांक : 14 मई 2014

स्थान : बाबा बनखण्डी महादेव मंदिर कैराना,जिला शामली

सुश्री आशा कंवर-9810236073
श्री विनोद गुप्त-9897779551
श्री बी.वी. गुप्त-9810333311

वहाँ की खुदाई करने पर यह पाया कि वहाँ भगवान शंकर की पिंडी है। इसके पश्चात् ही वहाँ मंदिर का निर्माण हुआ और वह मंदिर बाबा बनखण्डी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इसी मंदिर में भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान जी व अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाएं लगी हुई हैं। वहीं भगवान श्री कल्कि की प्राणप्रतिष्ठा शीघ्र होने जा रही है। 10 अप्रैल 2014 को भगवान श्री कल्कि की साढ़े तीन फुट की मूर्ति के साथ श्री हनुमान जी व दुर्गा जी की संगमरमर की मूर्तियों सहित मामाजी, सुश्री आशा कंवर, श्री वी. वी. गुप्ता के साथ कार द्वारा छोड़ कर आए हैं। अब 14 मई 2014 को भगवान श्री कल्कि यहाँ विराजेंगे।

पृष्ठ 4 का शेष

नहीं। ऐसे गृहों के संयोग ही मान-सम्मान को ठेस पहुँचाते हैं। इस समय सोच से भी बुरा होता है इंसान के साथ पर कल्कि भगवान ने हाथ थामा है तो किसी का बुरा कैसे हो सकता है।

आज के इस घोर कलियुग में मैं अगर बेफिक्र होकर जिंदगी जी सकती हूँ तो वह सिर्फ इसलिए क्योंकि कल्कि जी मेरे साथ हैं। आज के इस युग में, जब हर इंसान के चेहरे पर शिकन है, और हो भी क्यों नहीं ? कलि ने जिम्मेदारी जो ले रखी है सबको तनाव देने की, ऐसे में कलि का अंत करने वाले एक मात्र मेरे प्रभु कल्कि जी ही तो हैं, जो आपको चिंता मुक्त कर आप के जीवन में खुशियाँ ही खुशियाँ बिखेर देंगे।

इसलिए आज मैं गर्व से कहती हूँ-हां, मैं पड़ गई हूँ कल्कि भगवान के चक्कर में, ये वास्तविकता का चक्कर है। एक भक्त को भगवान से मिलने का। अब श्री कल्कि जी की कृपा से मेरा रोकना हो गया है और मेरी शादी 8 मई 2014 को है।

पति की दीर्घायु स्वास्थ्य के लिए करवा चौथ पर्व पर 11 अक्टूबर, शनिवार 2014 को यमुना तट पर श्री कल्कि सहस्त्रनाम हवन का संदेश

एक स्वप्न अनुभव (संदेश)

—सुश्री मेघना गोयल 9136377829

हम 8-10 लोग संभल सुप्त तीर्थ जागरण अभियान में सम्मिलित होने संभल गए हैं। वहाँ एक जगह खाने का व दूसरी जगह हवन का इंतजाम है। हवन सामग्री 4 किलो व घी का एक किलो का इंतजाम है। जबकि वहाँ 150 लोग हवन के लिए एकत्रित हैं। वहाँ हवन के लिए यमुना तट जैसे हवन कुंड का इंतजाम है। कोई कहता है कि अगर सामग्री कम है तो हवन महामंत्र की एक माला का हवन कर लो। लेकिन यह कहा जाता है कि नहीं हवन तो श्री कल्कि सहस्त्रनाम का ही होगा चाहे सामग्री सब लोग कम डालें। हवन का दिन करवाचौथ पर्व वाला है। इंदु दीदी हवन के समय वहाँ उपस्थित हैं। हम सभी प्रार्थना बोल रहे हैं। गणेश जी को प्रणाम लक्ष्मी माँ को प्रणाम सभी देवी-देवताओं को प्रणाम (इस बीच में एक महिला उपहास उड़ाती हैं तो इस पर इंदू दीदी कहती हैं कि इसमें हंसने वाली तो कोई बात नहीं है) फिर प्रार्थना करते हैं— हे कल्कि भगवान! हम जो श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ संभल के सुप्त (सोए) तीर्थ जागरण अभियान हेतु करने जो जाते हैं उसी तरह अपनी विशेष कृपा प्रदान करके इस यमुना घाट यज्ञ को सफलता प्रदान कीजिए।

एक सज्जन वहाँ बैठे हैं वो सहस्त्रनाम के मंत्र बोलना शुरू करते हैं तो इंदू दीदी कहती हैं कि आप अगर इतना धीरे (कम स्पीड से) बोलेंगे तो तीन घंटे का समय लगेगा। जबकि हमें साढ़े पांच बजे तक यहाँ से निकलकर दिल्ली पहुँचना है अर्थात सिद्धांतिक रूप से ही चलना पड़ेगा, भावुक व भावुकता वालों से बचें।

सुबह जब आँख खुलती है तो यह पंक्तियाँ कहते हुए मैं उठती हूँ—

जब रूप की चमकी ज्वाला, घट भीतर हुआ उजाला सूझा सब काम सुखाला जी, जय हो तुम्हारी जय हो

अर्थ : परिवार सहित यमुना तट पर कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ में सम्मिलित होने से प्रसन्न होकर दो बहनों यमुना जी (भक्ति की देवी) एवं गंगा जी (ज्ञान की देवी) में समझौता हुआ। परिणामस्वरूप उन्होंने तुम्हें यहाँ आवाहन किया है और सौभाग्यवती भव का आशीर्वाद दिया है। बन पड़े तो करवाचौथ के दिन सुबह 5 बजे से 7 बजे तक अथवा 6 बजे से 8 बजे तक हवन कर के पुनः घर पहुँचकर आराम कर लें।

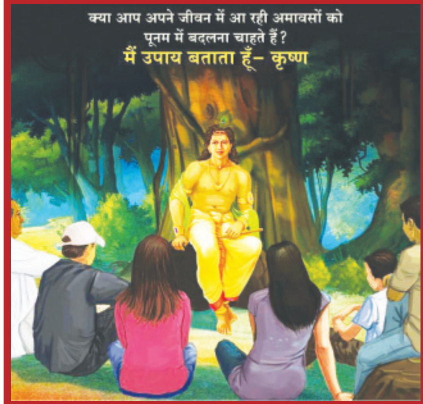

अगले अंक में पढ़ें —क्या आप अपने जीवन में आ रही अमावसों को पूनम में बदलना चाहते हैं? मैं उपाय बताता हूँ

-श्री कृष्ण

श्री कल्कि मंदिर असरोही

श्री रमेश मिश्रा अपने छोटे भाई श्री सर्वेश मिश्रा (पुजारी श्री कल्कि मंदिर,असरोही) के साथ

23 मार्च 2014 को असरोही जयंती में श्री अनिल गड़ौदिया बच्चों को पुरस्कृत करते हुए

23 मार्च 2014 को असरोही जयंती में गईं सुश्री पूजा गुप्त एवं सुलोचना मेहरा को 24 मार्च 2014 एवं16 अप्रैल को श्री कल्कि मंदिर असरोही के लिए आए स्वप्नानुभव अगले अंक में विस्तार से पढ़ें

गर्मी की छुट्टियो में तीन दिन की ड्राईंग प्रशिक्षण प्रतियोगिता में 2000 रुपये तक के पुरस्कार पाइये

गर्मियों की स्कूल की छुट्टियों में तीन दिन का कल्कि जी की मूर्ति में जयपूर से आए श्री जगदीश जी मूर्तिकार पेंटर द्वारा कल्कि जी की मूर्ति पर कलर बनाना व करना सिखायेंगे। प्रशिक्षण के बाद प्रतियोगिता में सफल बच्चों को अपनी पसंद के 2100 रुपये-1150 रूपये-500 रूपये तक के पुरस्कार स्वयं लाने की सुविधा होगी। स्थान: श्री हनुमान जी-श्री कल्कि मंदिर-करोड़ीमल कॉलेज परिसर, छात्रा मार्ग, दिल्ली-7,

समय: 12 बजे से 4 बजे नाश्ते के कूपन वहीं मिलेंगे

आओ बताएं आज तुम्हें

हम भी किसी से कम नहीं
यमुना सुप्त (सोए) तीर्थ जागरण के कुछ अनछुए रहस्य

जैसा कि पिछले अंकों में पत्रिका के माध्यम से आप सभी को यह जानकारी पहुंचाना हमारा प्रयास रहा है कि किस प्रकार भगवान श्री कल्कि के विभिन्न प्रोजेक्टों पर कार्य कर रहे भक्तों को भगवान हाथों हाथ फल के अलावा, स्वप्नानुभवों द्वारा स्वीकृति भी प्रदान कर रहे हैं। इसी श्रंखला में यमुना (इन्द्रप्रस्थ) सुप्त (सोए) तीर्थ जागरण में भाग लेने वाले भक्तों को समय समय पर जो स्वप्नानुभव भगवान श्री कल्कि द्वारा दिए गए उस कड़ी के प्रस्तुत कुछ अनुभव—

श्री कल्कि सहस्त्रनाम से तब (पिछले जन्म) के व अब (इस जन्म) के दिलद्दर (क्लेश, दुख, पाप) कटकर सुख-संपत्ति, धन, ऐश्वर्य आएगा

—श्री राकेश -सुरभि अग्रवाल (श्री कल्कि बाल वाटिका संचालिका) 9810654193

मैं अपने पति के साथ सम्भल सुप्त (सोए) तीर्थ जागरण हेतु श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ में गई थी। मुझे आने पर स्वप्नानुभव में एक बहुत पुराना महलनुमा मंदिर दिख रहा है। जिसकी दीवार पूरी कालिख से भरी है। मेरे पति उसकी कालिमा को रगड़-रगड़ कर उतार रहे हैं। जैसे जैसे वह कालिख उतरती जा रही है दीवार दमकती हुई निकलती जा रही है मानो वह हीरे जवाहरातों से जड़ी हुई हो। जो कालिख उतर रही है उसके बोरे के बोरे भरे जा रहे हैं जिन्हें कोई दिलद्दर के बोरे भी कह रहा है। उन बोरों को लेने के लिए काले कपड़े पहने (कलियुग अपनी समृद्धि की सामग्री लेने) कुछ आदमी वैन में आए हैं और अपनी पीठ पर लाद कर उन बोरों को खुशी-खुशी लेकर जा रहे हैं।

जब सहस्त्रनाम से कलियुग का सिंहासन डोला

—श्री राकेश-सुरभि अग्रवाल 9810654193

27 मार्च 2014— मुझे (श्री राकेश अग्रवाल) स्वप्नानुभव हुआ कि सहस्त्रनाम के मंत्र का उच्चारण 5-6 लोग कर रहे हैं। पीछे से बातों का शोर आ रहा है। धीरे-धीरे मंत्रोच्चारण तेज होता जाता है और शोर दबता चला जाता है। सहस्त्रनाम मंत्रों के उच्चारण से आसमान गूंजने लगता है। उस गूंज से आसमान में बैठे हुए कलियुग का आसन डोलने लगता है। वह अपने आसन से घबराकर उठा और चक्कर लगाने लगा। फिर मैंने देखा दोनों तरफ से देवी देवता नीचे सहस्त्रनाम का हवन करते भक्तों पर फूल बरसा रहे हैं।

यमुना जी द्वारा यमराज को अर्पित सामान छुआकर कर वहीं तट पर रख दें, जल में बहाएं नहीं

—सुश्री मेघना गोयल 9136377829

मुझे 6 अप्रैल 2014 का स्वप्नानुभव में यमुना जी के तट पर धार्मिक अनुष्ठान होते दिख रहे हैं। आध्यात्मिक खुशनुमा माहौल है। यमुना जी के तट की तरफ से स्वामी रविदास जी हाथ में मोर का पंख लेकर आ रहे हैं उनके सामने आम्रपत्र है पर वह लिखते हुए चल रहे हैं। उन्हीं के साथ उनके तीन या चार सहयोगी चल रहे हैं। वाणी अनुभव होता है कि आज जो यमुना जी के वस्त्र, सीधा, काली धूप, कलावा, गोला, दक्षिणा, जल, यमुना जी द्वारा इनके भाई यमराज को दिये जा रहे हैं वह संबंधित संस्था के लिए सही स्थान पर पहुंचाने हैं। (अर्थात यमुना जी में बहाने नहीं, छुआकर तट पर रखें)

स्वामी रविदास जी

यमराज और उसके वाहन की संतुष्टि सामग्री

7 अप्रैल 2014 को श्री राकेश अग्रवाल को दिखा कि यमुना जी पर एक तरफ हवन और एक तरफ कीर्तन हो रहा है जमुना जी में एक नाव नजर आई जो आधी लकड़ी की है आधी जल की है।

भगवान श्री कल्कि का संकीर्तन महोत्सव
दिनांक : 11 मई 2014
स्थान : सिंगला मंदिर, पटपड़गंज, दिल्ली
समय : शाम 4 बजे से 6 बजे तक

Registered with the Registrar of Newspaper for India under Licence No. Delhi-N/2005/15596 Postal D. No. DL (DG)-11/8061/2012-2014

1 से 8 तक | 25 ग्राम | मई 2014 | मूल्य 10 रु

एक शाम श्री कल्कि के नाम

स्थान : शांति रॉयल बैंक्वट, गुरुद्वारा नानक प्याऊ रोड
जी.टी. करनाल रोड इंडस्ट्रीयल एरिया
दिनांक : 6 मई 2014 समय : शाम 4 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक
प्रसाद : रात्रि 8:30 बजे
योगेश गुप्ता-9311033445 बिन्नी गोयल-9810053460

कल्कि संग्रहालय में आप देखेंगे

*भारत भूमि पर हमारा जन्म हमारे सौभाग्य की गाथा गाता है * भारत भूमि श्री हरि नारायण की भूमि है * भगवान विष्णु के दशावतार * अभी कल्कि क्यों ? * कलियुग के लक्षण * कल्कि जी ने अवतार क्यों लिया ? * हनुमान जी/रामकृष्ण परमहंस हमारे गुरु क्यों ? * प्राचीन भारत एवं आधुनिक भारत में अंतर * कल्कि जी की पुकार क्यों करें ? * कल्कि जी की स्वप्नानुभव लीला * कल्कि की पुकार ही सार है * कल्कि जी की भक्ति कैसे करें ? * कल्कि जी का प्रचार कैसे करें ? * धर्म/भक्ति/ज्ञान और कल्कि * श्री कल्कि साहित्य*

श्री कल्कि जी का शुभ का खजाना

अपनी आमदनी में से कम से कम एक प्रतिशत अधिक से अधिक दस प्रतिशत रुपया भगवान श्री कल्कि के शुभ के खजाने में डालें।

इस खजाने को कहाँ लगाएं ?—श्री कल्कि बाल वाटिका की संस्कार रोपण कार्यशालाओं, श्री कल्कि जी के हवनों, सत्संग, कल्कि जी के उपचारों में, कल्कि जी के महोत्सवों-कीर्तन, अनुभव गोष्ठी, मूर्ति स्थापना, शोभा यात्रा, कल्कि जी के उत्सवों में आने जाने मे, कल्कि जी के आगामी बनने वाले संग्रहालयों में एवं कल्कि जी के अन्य प्रचार के कार्यों में लगाएं। साहित्य में कम से कम 25 से 30 प्रतिशत अवश्य लगाएं, इससे आपके घर एवं व्यापार के प्रगति के मार्ग योजनाबद्ध तरीके से खुलते चले जाएंगे।

श्री कल्कि बाल वाटिका संस्कार रोपण कार्यशालाएं

*** दिल्ली विश्वविद्यालय* नोएडा * पंजाबी बाग * पटपड़गंज * गगन विहार * यमुना विहार * महावीर नगर * ग्रीन पार्क**

विंध्याचल में कल्कि मूर्ति स्थापना के बाद श्री कल्कि जी के श्री कल्कि धाम की ओर बढ़ते कदम जहाँ साधु संत आवागमन हवन, भजन, कीर्तन आगंतुको के ठहरने के लिए बहुत उचित मूल्य पर सात्विक भोजन की व्यवस्था, कल्कि जी के प्रचार-प्रसार का कार्य निरंतर चलेगा।

भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना

दिनांक : 18 मई 2014
स्थान : शिव साईं मंदिर, रैडीसन होटल के सामने नोएडा, सैक्टर-18
अंकुर गुप्त-9810092880

श्री कल्कि बाल वाटिका

के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें—
☎ 9312533445, 9136377829, 9811858723

न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक, लाईट प्रभारी : हर्षित गुप्ता, (मनु) 9999885277) अंकित गड़ौदिया (9968154304) राहुल अग्रवाल (9891879718) अलका गोयल (9811281271)

❖पालनपुर ❖देहरादून ❖असरोही ❖कोलकाता ❖चेन्नई
1903/3, पहली मंजिल, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006 सम्पर्क : 23886646, 23866661
हाउस नं. 4116, कसेरू वालान, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55, सम्पर्क : 23587079
सी 0-2/16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110035
कॉलेज कम्पाउन्ड, गीता सोसाईटी, पालनपुर : 385001, गुजरात, सम्पर्क : 02742-258068, 09824968440
जी 97, नेहरु कालोनी, देहरादून (उत्तरांचल), सम्पर्क : 0135-2671643, 09837343560
2 नम्बर, हाईट रोड, लिलुआ, हावड़ा-711204 (कोलकाता)
आभार/Ack.: श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद, ऋषि प्रसाद, स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स
योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु
प्रिटंर्स : शिवानी ऑफसैट, ए-36 नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (यू.पी.)
पारस प्रिटिंग प्रैस, पटपड़गंज, नई दिल्ली